सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 4 AUGUST TO 10 AUGUST 2020 • VOLUME- 2 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

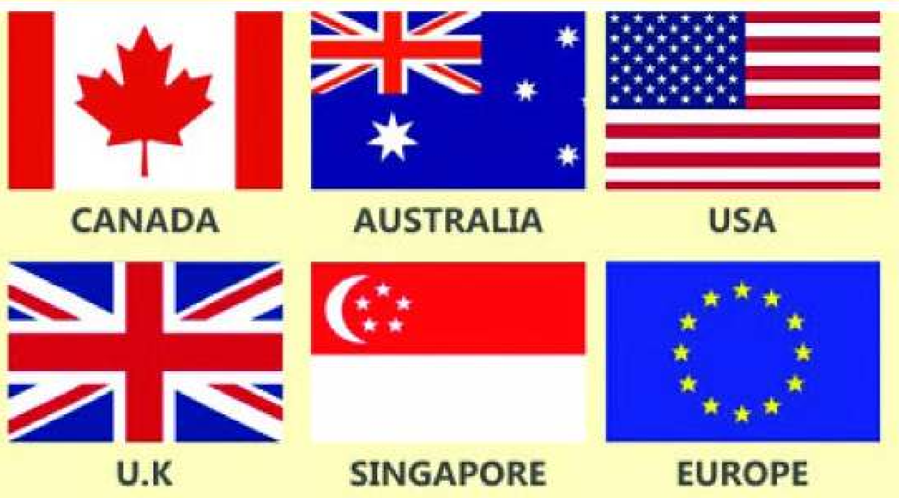

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

जालंधर ब्रीज में खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आया नैशनल हाईवे विभाग

शुरू किया बरसाती पानी का निकास का कार्य

मानसून आते ही केंद्र और पंजाब राज्य के अधिकारियों की खुली पोल

मौके पर कालिया कॉलोनी और ट्रांसपोर्ट नगर के बाहर चल रहा हार्वेस्टिंग बोर का काम

छाया : रवि

राष्ट्रीय राजमार्ग किसी समुन्द्री तट के साथ सटा हुआ?

हाईवे की त्रुटियों के बारे में विस्तृत जानकारी को लेकर जालंधर ब्रीज के संपादक अतुल शर्मा ने जालंधर जिला के जिलाधीश घनश्याम थोरी व नगर-निगम कमिश्नर करनेश शर्मा के साथ विशेष मुलाकात की गई।

जालंधर ब्रीज के पिछले अंक में प्रकाशित की गयी खबर।

■ जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

भारत देश के लोगों को जहाँ कोरोना जैसी बिमारी ने हिला के रख दिया वही अफसरों को काम ना करने के लिए नया बहाना मिल गया परन्तु जालंधर ब्रीज द्वारा नेशनल हाईवे में की गयी त्रुटियों को उजागर करने का काम पिछले कई समय से अपने समाचार पत्र के माध्यम से लोगों की आवाज़ बनने का काम कर रहा है और कई त्रुटियों का हल करवा चूका है और इसी विस्तार में हाईवे पर जमा बरसाती पानी की समस्या को भी गंभीरता से उठाया गया और हाईवे के भ्रष्ट अफसरों को जगाया और उसी के परिणामस्वरूप अब हाईवे पर बरसाती पानी की निकासी के लिए कालिया कॉलोनी और ट्रांसपोर्ट नगर के बाहर हार्वेस्टिंग बोर करवा रही है और अब उम्मीद है की इस समस्या का समाधान हो जायेगा जालंधर ब्रीज लोगों की आवाज़ बनकर भविष्य में भी जनहित मुद्दों को प्रकाशित करता रहेगा ।

नैशनल हाईवे नंबर. 205 के जिम्मेवार अधिकारियों के ऊपर गाय की हत्या की कोशिश करने का पर्चा दर्ज हो

■ जालंधर ब्रीज ब्यूरो

अभी कुछ देर पहले रोपड़ मोहाली हाईवे नंबर 205 में एक गाय कार के आगे आने से हादसा हो गया और कार में बैठे लोगों की जान बाल बाल बच गई । इस हादसे के लिए जिम्मेवार पेट्रोलिंग अधिकारी वहां पर काफी समय तक मौके पर नहीं पहुंचे जिसके कारण वहां लंबा जाम लग गया और लोगों द्वारा खुद हादसे में घायल हुई गाय को पीछे करके हाईवे में लगे जाम को खुलवाया।

वही हादसे वाली जगह से टोल टैक्स कंपनी मात्र एक किलोमीटर की दूरी से जजिया टैक्स वसूल करने में व्यस्त थी।

हाईवे पर हुए हादसे और लगे हुए जाम ही तस्वीरें

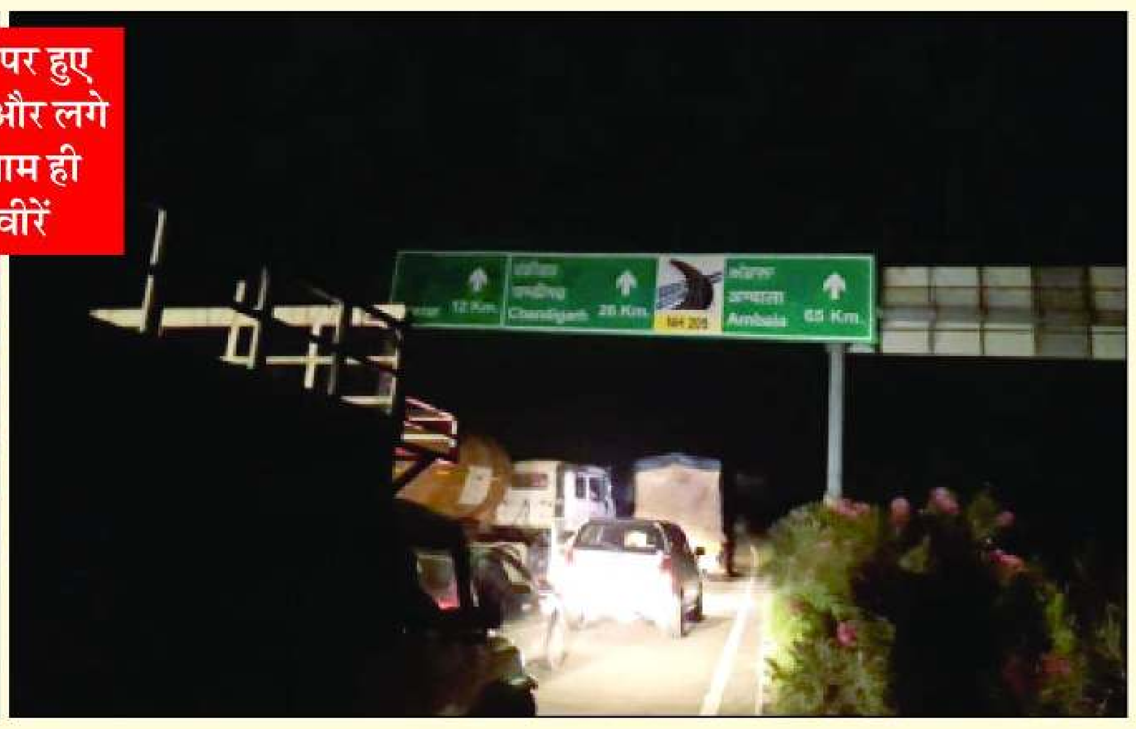

येडियुरप्पा के संपर्क में आए 6 लोग कोरोना पॉजिटिव, आइसोलेट किए गए 75 लोगों में 3 डिप्टी सी.एम भी

■ बेंगलुरु/ब्यूरो

कर्नाटक में कुछ शीर्ष नेताओं के कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाये जाने से राज्य में कई सरकारी कर्मचारियों के संक्रमित होने का डर है. जिससे राज्य में डर का माहौल है. मुख्यमंत्री बीएस येडियुरप्पा और पूर्व सीएम सिद्धारमैया दोनों के पॉजिटिव पाए जाने के बाद से तेजी से टेस्टिंग की जा रही है. येडियुरप्पा के छह कर्मचारी पहले ही संक्रमित पाये जा चुके हैं, जबकि उनके 75 प्राथमिक संपर्कों की पहचान की गई है, उनकी टेस्टिंग की गई है और सभी को नतीजे आने तक घर पर अलग रहने के लिए कहा गया है। इन लोगों में सीएम का परिवार,

करीबी दोस्त, घर के रखवाले, सुरक्षाकर्मी और ड्राइवर शामिल हैं। संक्रमित पाए गए छह कर्मचारी , उस पहले बैच के 30 कर्मचारियों में शामिल थे, जिनका टेस्ट किया गया था. अन्य 45 कर्मचारियों के टेस्टिंग परिणाम की प्रतीक्षा है।

येडियुरप्पा ने पिछले एक हफ्ते में तीन डिप्टी सीएम , राज्यपाल, अपने मंत्रिमंडल के 7 मंत्रियों के साथ-साथ 10 विधायकों के साथ मुलाकात की थी।

चीन को एक और बड़ा झटका, इस साल आई.पी.एल. में VIVO स्पॉन्सर नहीं होगा

■ जालंधर ब्रीज ब्यूरो

चीन को एक और बड़ा झटका लगा है. इस साल आई.पी.एल. में VIVO स्पॉन्सर नहीं होगा। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग में चीनी स्पॉन्सर को रख दिये जाने के बाद चारों तरफ से इसका विरोध हो रहा था। अब ये खबर आई है कि आईपीएल 2020 में वीवी स्पॉन्सर नहीं होगा।

इस बार के आईपीएल में अब एक नए स्पॉन्सर की तलाश है। सूत्रों के मुताबिक, एक भारतीय कंपनी के साथ बीसीसीआई की बातचीत चल रही है। रेस में एक अमेरिकी कंपनी भी है।

अब भारत और चीन के रिश्ते में अगर सुधार आया तो 2021 से 2023 तक फिरसे VIVO स्पॉन्सर हो सकता है. बीसीसीआई का 2022 तक वीवो के साथ कॉन्ट्रैक्ट है। लेकिन बदले हुए स्थिति में वीवो 2021 से 2023 तक 1400 करोड़ रुपये की राशि के बदले स्पॉन्सर बने रह सकते हैं। आईपीएल संचालन समिति ने

रविवार को टूर्नामेंट के प्रमुख प्रायोजकों के रूप में चीनी कंपनियों के साथ बने रहने का फैसला किया था. भारत और चीन के बीच इस समय विवाद चल रहा है। इसी वजह से चीनी कंपनियों का काफी विरोध हो रहा है. बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग आई.पी.एल. के 13वें सीजन का आयोजन 19 सितंबर से यूएई में होने जा रहा है।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 10 नवंबर को खेला जाएगा। भारत और चीन के बीच इस समय विवाद चल रहा है।

हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी उदास, कोरोना के चलते नहीं कर पाएंगे प्रधानमंत्री से मुलाकात

■ अयोध्या/ब्यूरो

अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के मद्देनजर राम नगरी के प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर को सजाया गया है। प्रधानमंत्री बुधवार को सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर जाएंगे। ऐसा माना जाता है कि भगवान राम के दर्शन करने से पहले श्रद्धालु को हनुमान जी के दर्शन करने चाहिए। मंदिर के पुजारी इस बात से उदास हैं कि वे कोविड-19 महामारी से संबंधित दिशा निर्देश के कारण प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात नहीं कर पाएंगे। हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने बताया कि मंदिर में हम सभी लोगों ने प्रधानमंत्री को गदा, मुकुट, चांदी की ईंट, अंगवस्त्रम और एक पगड़ी भेंट करने की तैयारी की थी मगर कोविड-19 की वजह से अब यह संभव नहीं हो पाएगा, लिहाजा हमने मोदी को भेंट देने का कार्यक्रम निरस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सोमवार को हनुमानगढ़ी का दौरा किया था। अब प्रधानमंत्री बुधवार को यहां पूजा-अर्चना करेंगे लेकिन सभी पुजारी उनसे दूर रहेंगे।

नकली शराब के मामले में मिलीभगत वाला कोई भी राजनीतिज्ञ या सरकारी कर्मचारी बख्शा नहीं जायेगा-कैप्टन अमरिंदर सिंह

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

“ • शराब माफिया को खत्म करने का किया वादा, विरोधियों को मासूम लोगों की मौत पर घटिया राजनीति करना बंद करने को कहा ”

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने गुरूवार को राज्य में शराब माफिया को खत्म करने का वादा करते हुए कहा कि नकली शराब से हुई मौतों के मामले में यदि किसी राजनीतिज्ञ या सरकारी कर्मचारी की मिलीभगत सामने आई तो उसे बख्शा नहीं जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को नकली शराब के रूप में जहर से मारने के लिए जिम्मेदार दोषियों को बच निकलने की आज्ञा नहीं दी जायेगी।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि उन्होंने पंजाब पुलिस की पूरी फोर्स को माफिया पर कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों ने अपने लालच की खातिर पंजाबियों की जानों से खेलने का उस समय लाभ देखा जब पुलिस फोर्स का ध्यान कोविड महामारी की तरफ लगा हुआ था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी कोविड से निपटने में लगी हुई है जिसने राज्य में अब तक 449 जानें ले लीं और ऐसे समय में शराब माफीए को हमारे लोगों की जानों से खेलने का मौका मिल गया। नकली शराब के कारण हुई 111 मौतों (तरत तारन में 83, अमृतसर में 15 और बटाला में 13) का हवाला देते हुए कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि यह सीधे तौर पर कत्ल है और इसके लिए कातिल बच नहीं सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ‘‘इन लोगों ने जब मासूम लोगों को जहर सौंपा /बेचा, तबसे ही वह जानते थे कि इससे जानें जा सकती हैं। वह रहम के हकदार नहीं हैं।’’ उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और परिवारों को इन्साफ दिलाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जायेगी। अपने संकुचित राजनैतिक हितों के लिए दुखांत का दुरूपयोग करने के लिए विरोधियों को निशाने पर लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय राजनैतिक रोटियाँ सेकने का नहीं बल्कि राज्य सरकार द्वारा माफिया को खत्म करने के लिए की जा रही कोशिशों का समर्थन करने का है।

उन्होंने आम आदमी पार्टी को पूछा कि नकली शराब के खिलाफ धरने देने से क्या माफिया के खिलाफ लड़ाई और पीड़ित परिवारों की मदद हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग-अलग राजनैतिक शासनकाल के दौरान राज्यभर में वर्षों से ऐसी त्रासदियां घटती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि माफीए और अपराधियों का कोई राजनैतिक नाता नहीं होता बल्कि उनकी लालसा हर हाल में पैसा कमाने की होती है।

मुख्यमंत्री ने साल 2019 में नकली शराब के घटे तीन दुखांतों का भी जिक्र किया, जो भाजपा के नेतृत्व वाले राज्यों में असाम, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में घटे हैं और इनमें क्रमवार 168, 97 और 30 जानें गई थीं। इसी तरह साल 2016 में जनता दल के नेतृत्व में बिहार राज्य में 16 व्यक्तियों की मौतें हुई जबकि साल 2015 में भाजपा के नेतृत्व में महाराष्ट्र की राजधानी मुम्बई में नकली शराब से 102 जानें चलीं गईं और तृणमूल कांग्रेस की सत्ता वाले पश्चिमी बंगाल में नकली शराब पीने से 167 व्यक्ति मौत के मुँह में चले गये थे।

प्रसंग

शिक्षा नीति से आत्मनिर्भर बनेगा भारत

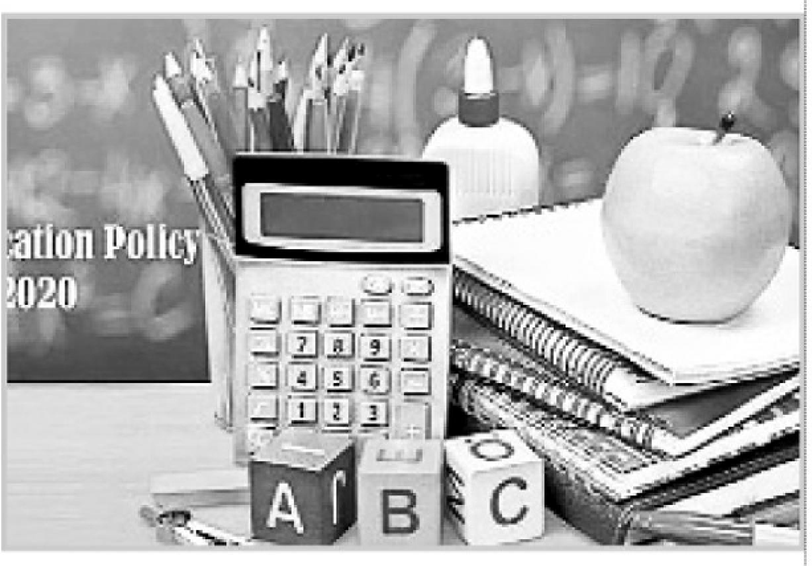

नई शिक्षा नीति में शिक्षा का अधिकार कानून के दायरे को व्यापक बनाया गया है। अब तीन साल से 18 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का अधिकार कानून, 2009 के अंदर लाया जाएगा। नई शिक्षा नीति बच्चों में जीवन जीने के जरूरी कौशल और जरूरी क्षमताओं को विकसित किए जाने पर जोर देती है। साथ ही बच्चों में पहली कक्षा से खुद का विकास करने का बोध भी उत्पन्न करती है।

भारत की प्राचीन शिक्षा आध्यात्मिकता पर आधारित थी। शिक्षा, मुक्ति एवं आत्मबोध के साधन के रूप में थी। भारत की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक परंपरा विश्व इतिहास में प्राचीनतम है। डॉ अल्टेकर के अनुसार, वैदिक युग से लेकर अब तक भारत वासियों के लिए शिक्षा का अभिप्राय यह रहा है कि शिक्षा प्रकाश का स्रोत है तथा जीवन के विभिन्न कार्यों में यह हमारा मार्ग आलोकित करती है। प्राचीन काल में शिक्षा को अत्यधिक महत्व दिया गया था। भारत विश्वगुरु कहलाता था। विभिन्न विद्वानों ने शिक्षा को प्रकाशस्रोत, अंतर्दृष्टि, ज्ञानचक्षु और तीसरा नेत्र आदि उपमाओं से विभूषित किया है। उस युग की यह मान्यता थी कि जिस प्रकार प्रकाश से अंधकार दूर होता है, उसी प्रकार व्यक्ति के सभी भ्रमों को दूर करने का साधन शिक्षा है। प्राचीन काल में इस बात पर बल दिया गया कि शिक्षा व्यक्ति को जीवन का यथार्थ दर्शन कराती है तथा इस योग्य बनाती है कि वह भवसागर की बाधाओं को पार करके अंत में मोक्ष को प्राप्त कर सके जो कि मानव जीवन का चरम लक्ष्य है। शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में नीति में कहा गया है कि शिक्षा सबके लिए आवश्यक है, शिक्षा की सांस्कृतिक भूमिका है, शिक्षा वर्तमान और भविष्य के लिए अपने आय में एक अद्वितीय निवेश है।

20वीं सदी की शुरुआत से शिक्षा को लेकर समानता की मांग होने लगी जिसमें महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा वंचित समूह को समान अवसर उपलब्ध करवाना और शिक्षकों की शिक्षा, कार्य-प्रणाली, जिम्मेदारी, वेतन आदि सभी स्तरों पर गुणात्मक सुधार की आवश्यकता के साथ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा को महत्व देने की बात होती रही। भारत की पहली शिक्षा नीति 1986 में बनाई गई थी जिसमें वर्ष 1992 में बदलाव किए गए। बदलती जरूरतों के अनुसार शिक्षा निति में परिवर्तन की दरकार लंबे समय से की जा रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक में 21वीं सदी की नई शिक्षा नीति को मंजूरी दी गई। यह बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि 34 सालों से शिक्षा नीति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था। पहली बार नई शिक्षा नीति के मसौदे को विभिन्न पक्षकारों की राय के लिए सार्वजनिक किया गया था और मंत्रालय को इस पर दो लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए।

नई शिक्षा नीति में शिक्षा का अधिकार कानून के दायरे को व्यापक बनाया गया है। अब तीन साल से 18 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का अधिकार कानून, 2009 के अंदर लाया जाएगा। अब कला, संगीत, शिल्प, खेल, योग, सामुदायिक सेवा जैसे विषयों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इन्हें सहायक पाठ्यक्रम या अतिरिक्त पाठ्यक्रम नहीं कहा जाएगा। नई शिक्षा नीति बच्चों में जीवन जीने के जरूरी कौशल और जरूरी क्षमताओं को विकसित किए जाने पर जोर देती है। नई शिक्षा नीति के तहत उच्च शैक्षणिक संस्थानों में विश्वस्तरीय अनुसंधान और उच्च गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई पर जोर दिया गया है। अब हाइयर एजुकेशन में वर्ल्ड क्लास रिसर्च पर फोकस किया जाएगा। अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम का ढांचा भी बदला जाएगा। अब कोर्स के दौरान कक्षा से निकलने या प्रवेश करने के कई विकल्प दिए जाएंगे। पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान पद्धतियों को शामिल करने, राष्ट्रीय शिक्षा आयोग का गठन करने और प्राइवेट स्कूलों को मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने से रोकने की सिफारिश की गई है।

आयोग ने शिक्षकों के प्रशिक्षण में व्यापक सुधार के लिए शिक्षक प्रशिक्षण और सभी शिक्षा कार्यक्रमों को विश्वविद्यालयों या कॉलेजों के स्तर पर शामिल करने की सिफारिश की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 को भारतीय लोगों, उनकी परंपराओं, संस्कृतियों और भाषाओं की विविधता को ध्यान में रखते हुए तेजी से बदलते समाज की जरूरतों के आधार पर तैयार किया गया है। शिक्षा प्रणाली में बदलाव करते हुए उच्च गुणवत्ता व व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित की गई है। इसके जरिए भारत का निरंतर विकास सुनिश्चित होगा साथ ही वैश्विक मंचों पर आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, समानता और पर्यावरण की देखरेख, वैज्ञानिक उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के नेतृत्व का समर्थन करेगा। इस नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा के साथ कृषि शिक्षा, कानूनी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और तकनीकी शिक्षा जैसी व्यावसायिक शिक्षाओं को इसके दायरे में लाया गया है।

नई शिक्षा नीति में 10+2 के फार्मेट को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। अब इसे 10+2 से बांटकर 5+3+3+4 फार्मेट में ढाला गया है। इसका मतलब है कि अब स्कूल के पहले पांच साल में प्री-प्राइमरी स्कूल के तीन साल और कक्षा एक और कक्षा 2 सहित फाउंडेशन स्टेज शामिल होंगे। फिर अगले तीन साल को कक्षा 3 से 5 की तैयारी के चरण में विभाजित किया जाएगा। इसके बाद में तीन साल मध्य चरण (कक्षा 6 से 8) और माध्यमिक अवस्था के चार वर्ष (कक्षा 9 से 12)। स्कूलों में कला, वाणिज्य, विज्ञान स्ट्रीम का कोई कठोर पालन नहीं होगा, छात्र अब जो भी पाठ्यक्रम चाहें ले सकते हैं। उच्च शिक्षा सचिव अमित खरे ने बताया कि उच्चे शिक्षा में कई सुधार किए गए हैं। सुधारों में ग्रेडेड अकैडमिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तह ता आदि शामिल है। नई शिक्षा नीति और सुधारों के बाद हम 2035 तक 50 फीसद सकल नामांकन अनुपात प्राप्त करेंगे।

वहीं क्षेत्रीय भाषाओं में ई-कोर्स शुरू किए जाएंगे। वर्चुअल लैब्स विकसित किए जाएंगे। एक नेशनल एजुकेशनल साइंटफिक फोरम शुरू किया जाएगा। देश में 45 हजार कॉलेज हैं। ग्रेडेड स्वायत्तता के तहत कॉलेजों को शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता दी जाएगी। नए सुधारों में टेक्नोलॉजी और ऑनलाइन एजुकेशन पर जोर दिया गया है। अभी हमारे यहां डीम्ड यूनिवर्सिटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटीज और स्टैंडअलोन इंस्टिट्यूशंस के लिए अलग-अलग नियम हैं। नई एजुकेशन पॉलिसी के तहते सभी के लिए नियम समान होगा। बोर्ड परीक्षाओं के लिए कई प्रस्ताव नई एजुकेशन पॉलिसी में है। बोर्ड परीक्षाओं के महत्व के कम किया जाएगा। इसमें वास्तविक ज्ञान की परख की जाएगी। कक्षा पांच तक मातृभाषा को निर्देशों का माध्यम बनाया जाएगा। रिपोर्ट कार्ड में सब चीजों की जानकारी होगी। बजट की घोषणा के समय नई शिक्षा नीति के लिए 99 हजार करोड़ रुपए दिया गया था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट भाषण पढ़ते हुए कहा था कि इस वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार शिक्षा के लिए 99 हजार 300 करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च करेगी।

अगर हम आने वाली चुनौतियों पर बात करें तो कोरोना काल में शिक्षण कार्य में बाधा के कारण ड्रॉपआउट दर में वृद्धि की आशंका है। जब स्कूल फिर से खुलेंगे तो बच्चों की वापसी सुनिश्चित करना और स्कूल में उनको बनाए रखना एक चुनौती होगी। वर्तमान महामारी ने तमाम सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। महामारी को रोकने के प्रयास में अस्थायी रूप से शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया है। परिणामस्वरूप सभी छात्र क्लासरूम शिक्षा से वंचित हैं। केंद्र तथा राज्य सरकारों को अभी इस दिशा में बहुत लंबा रास्ता तय करना शेष है। परंतु निश्चित रूप से 'आत्मनिर्भर भारत' बनने की दिशा में यह एक बेहतर कदम है।

विचार

अभी हठ नहीं छोड़ेगा चीन

सीमा पर तनाव कम करने के लिए दोनों देशों के बीच कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत की जा रही है। ताजा बातचीत में भी भारत ने चीन को अपनी सेना पीछे करने की बात कही है। मगर चीन का जैसा रुख है, उसे देखकर लगता नहीं कि वह मान जाएगा।

भारत-चीन के बीच पिछले कुछ माह से सीमा पर तनाव जारी है। इसी बीच रविवार को भारत व चीन सेना के शीर्ष कमांडरों के बीच पांचवें चरण की बातचीत हुई। यह बातचीत लगभग 11 घंटे तक चली। इस दौरान भारत ने चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध वाले सभी स्थानों से सेना को पीछे हटाने के लिए कहा। सीमा पर तनाव कम करने के लिए दोनों देशों के बीच कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत की जा रही है। बातचीत के दौरान भारत ने पैंगोंग त्सो और पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास टकराव वाले सभी स्थानों से चीनी सैनिकों के जल्द से जल्द पूरी तरह पीछे हटने को लेकर जोर डाला। वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेह स्थित 14 कोर के कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह ने जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व दक्षिणी शिनजियांग सैन्य क्षेत्र के कमांडर, मेजर जनरल लियू लिन ने किया। इससे पहले, कोर कमांडर स्तर की पिछली वार्ता 14 जुलाई को हुई थी, जो करीब 15 घंटे तक चली थी।

करीब दो माह से लद्दाख क्षेत्र में भारत और चीन की सेनाएं संघर्ष की मुद्रा में हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब वहां वास्तविक नियंत्रण रेखा पर ऐसा तनाव पैदा हुआ है। लद्दाख क्षेत्र में एक बड़ा इलाका ऐसा है, जिसमें सरहद की निशानदेही अब तक नहीं हो पाई है। इसके चलते कई बार अतिक्रमण का विवाद खड़ा हो जाता है और दोनों देशों के जवान सक्रिय हो जाते हैं। इस बार मामला इसलिए थोड़ा पेचीदा हो गया कि चीनी सैनिक उन क्षेत्रों में भी उतर आए, जहां पहले कभी विवाद नहीं था या नियंत्रण रेखा को लेकर किसी तरह की गलतफहमी की गुंजाइश नहीं थी। ताजा विवाद में शुरू में नेपाल ने भी चीन का साथ दिया और कालापानी जैसे क्षेत्रों पर अपना अधिकार जताया, पर अब उसका सुर कुछ बदल गया है। चीन ने भी एक बयान में अपना रुख नरम कर लिया था, पर सरहद पर उसकी सरगर्मी बनी रही। चीन की साम्राज्यवादी नीतियां किसी से छिपी नहीं हैं। खासकर लद्दाख क्षेत्र में वह इसलिए दबदबा बनाए रखना चाहता है कि वह भारत को आंखें तरेर सके। इसलिए जब भी भारत विकास करता है, वह चीन की आंखों में चुभने लगता है।

दरअसल, जबसे जम्मू-कश्मीर की स्वायत्ता समाप्त कर दी गई है और भारत ने उस इलाके का नया नक्शा पेश किया है, तबसे लद्दाख क्षेत्र को लेकर चीन कुछ अतिरित सतर्क हुआ है। उसे लगने लगा है कि अगर भारत को उस इलाके में बुनियादी ढांचा विकसित करने से नहीं रोका गया तो भारतीय सेना की चीन के बहुत करीब तक पहुंच आसान हो जाएगी। इसलिए उसने सीमा पर सामरिक सरगर्मी बढ़ा दी है। मगर जिन हिस्सों को लेकर वह आपत्ति उठा रहा है, उनकी निशानदेही बहुत पुरानी है और उनमें भारतीय गतिविधियों से किसी भी तरह अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन नहीं होता। मगर चीन इस बहाने सीमा पर अशांति फैलाए रखता है।

अब ईरान पर डोरे डालता चीन

ईरान और चीन के बीच आर्थिक-सामरिक साझेदारी संबंधों वाले प्रस्ताव को लेकर खासी हलचल है। दोनों मुल्कों के बीच प्रस्तावित साझेदारी में सिर्फ चार सौ अरब डालर का निवेश ही शामिल नहीं है, बल्कि इस साझेदारी से ईरानी बंदरगाहों पर चीन का प्रभाव और दखल भी काफी बढ़ने की संभावना है। फिलहाल दोनों मुल्कों के बीच आर्थिक-सैन्य साझेदारी संबंधी समझौते के प्रस्ताव पर भी विचार हो रहा है। हालांकि इसे अभी ईरानी संसद से मंजूरी नहीं मिली है। इसे ईरान के रणनीतिक खेल के रूप में भी देखा जा रहा है, क्योंकि अमेरिका में इसी साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। अगर चीन और ईरान के बीच इस प्रस्तावित साझेदारी पर सहमति बन जाती है तो भारतीय हित सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, क्योंकि मध्य एशिया से लेकर अफगानिस्तान तक में भारत में प्रवेश का रास्ता ईरान के दो महत्त्वपूर्ण बंदरगाह हैं।

अगर चीन और ईरान के बीच इस प्रस्तावित साझेदारी पर सहमति बन जाती है तो भारतीय हित सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। ईरान यह समझ रहा है कि उसके साथ साझेदारी बढ़ाने में चीन सिर्फ अपना हित देख रहा है, क्योंकि इस चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध चरम पर पहुंच चुका है। चीन अगर ईरान के साथ साझेदारी बढ़ाएगा, तो उसकी पहुंच फारस की खाड़ी तक आसानी से हो जाएगी।

भारत की परेशानी यह भी है कि ईरान ने भारत के सहयोग से बनाए जाने वाले चाबहार-जाहेदान रेल लाइन का निर्माण कार्य खुद शुरू कर दिया है। यह प्रस्तावित लाइन भारत के लिए अहमियत रखती है। रेल लाइन के सहारे भारत अफगानिस्तान के हाजीगक तक व्यापारिक रास्ते को विकसित करने की योजना बना रहा है। लेकिन ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध इस रेल लाइन के विकास में भारतीय भागीदारी को लेकर बाधा बना हुआ है। ईरान-चीन के बीच साझेदारी संबंधी प्रस्ताव से यूरोपीए देश और अमेरिका भी सतर्क हैं, क्योंकि साझेदारी पर सहमति बनने के बाद ईरान होरमुज जलडमरूमध्य के पास स्थित जस्क बंदरगाह चीन के हवाले कर सकता है। होरमुज जलडमरूमध्य तेल आपूर्ति का महतवपूर्ण रास्ता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिद ने ईरान को चीन की तरफ जाने को मजबूर किया है।

ईरान-चीन सामरिक भागीदारी को लेकर ईरान में भी विरोधी स्वर उठे हैं। सवाल यह है कि दुनिया ईरान से एकतरफा उम्मीद क्यों लगाए बैठी है? पश्चिमी ताकतें चाहती हैं कि ईरान चीन के पाले में न जाए, लेकिन वे ईरानी अर्थव्यवस्था के संकट पर ध्यान देने को तैयार नहीं हैं। आखिर ईरान की मजबूरियां हैं। जिस प्रस्तावित सामरिक भागीदारी पर बातचीत हो रही है, उसकी शुरुआत चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के 2016 में हुए ईरान दौरे के दौरान हुई थी। अब ईरान की मजबूरी है, क्योंकि अमेरिका ने 2018 के अंत में ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिका के प्रतिबंधों के बाद ईरान का तेल निर्यात ढाई लाख बैरल रोजाना पर सिमट कर रह गया। जबकि बैन से पहले ईरान 25 लाख बैरल कच्चा तेल रोजाना निर्यात करता था। रही-सही कसर तेल की गिरती कीमतों ने पूरी कर दी। इससे ईरान के सामने गंभीर संकट खड़ा स्वाभाविक था।

ईरान की चिंता उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा भी है। रेल, सड़क, नौवहन की बहुपक्षीय व्यवस्था वाले इस गलियारे को ईरान और मजबूत करने की कोशिशें करता रहा है। साल 2002 में इस गलियारे को पूरी तरह से विकसित करने के लिए ईरान, भारत और रूस के बीच सहमति बनी थी। गलियारे के विकास पर काम भी हुआ। लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों ने गलियारे के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। भारत के मुंबई से ईरान के बंदर अब्बास, चाबहार के रास्ते अजरबैजान होते हुए रूस और यूरोप तक जाने वाला यह गलियारा ईरान के लिए खासा महत्वपूर्ण है। गलियारे का विस्तार प्रस्तावित चाबहार-जाहेदान रेल लाइन तक है। ईरान पर दोबारा अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद रूस इस गलियारे से संबंधित कुछ योजनाओं से पीछे हट गया। ईरान में अजरबैजान सीमा से तुर्कमेनिस्तान सीमा तक जाने वाली रेल लाइन का विद्युतीकरण करने का काम रूसी रेलवे के पास था, लेकिन उसने काम शुरू नहीं किया।

पिछले साल ईरानी राष्ट्रपति हसन रोहानी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने को लेकर बैठक भी हुई थी, मगर जमीन पर दोनों मुल्कों के बीच सिर्फ सीरिया में रणनीतिक सहयोग नजर आया। इसके पीछे रूस का स्वार्थ भी हो सकता है। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों का फायदा उठाते हुए रूस ईरान के हिस्से वाले अंतराष्ट्रीय तेल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने लगा। इन बदले हालात का लाभ चीन उठा सकता है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान में योजनाओं के विकास से भारत और रूस पीछे हटे हैं। चीन के अपने रणनीतिक स्वार्थ हैं। चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना अगर उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे से जुड़ गई, तो इससे चीन और ईरान दोनों को लाभ मिलेगा। चीन ईरान के रास्ते यूरोपीय बाजार तक पहुंच सकेगा। साथ ही, ईरान के महत्वपूर्ण बंदरगाहों में घुसपैठ कर फारस की खाड़ी से अरब सागर तक अपना वर्चस्व बढ़ाएगा। हालांकि चीन-ईरान साझेदारी पर अभी ज्यादा कुछ कहना जल्दीबाजी होगी, क्योंकि प्रस्तावित साझेदारी में कई पेंच हैं। दरअसल, ईरान और पाकिस्तान में बहुत बड़ा फर्क है। चीन के साथ सामरिक साझेदारी में पेंच ईरान का स्वाभिमान है। ईरान के कई नेताओं ने इस प्रस्तावित साझेदारी का विरोध किया है। ईरानी नेताओं का साफ मानना है कि चीन की छिपी शर्तें ईरान के स्वाभिमान और संप्रभुता को चोट पहुंचाएंगी। सामरिक साझेदारी में ईरान चीन की उन शर्तों को कतई नहीं मानेगा, जो जिनसे उसकी संप्रभुता पर आंच आए। ईरान चीन के निवेश, कर्ज और वर्चस्व के खेल को समझता है। पाकिस्तान में चीन-पाक आर्थिक गलियारे को लेकर तमाम सवाल उठते रहे हैं। पाकिस्तान चीन के कर्जजाल में फंस गया है। कई परियोजनाओं को लेकर दोनों के बीच हुए समझौतों की शर्तों की जानकारी पाकिस्तानी संसद तक को नहीं है। इसे संसद के अधिकार क्षेत्र से भी बाहर रखा गया है।

चीनी निवेश और कर्ज के जाल में अफ्रीकी देश भी बुरी तरह से फंस चुके हैं। अंगोला जैसे देश को तेल बदले निवेश और कर्ज देकर चीन ने अंगोला का दोहन किया है। कई और देश चीन के कर्ज जाल में बुरी तरह से फंस चुके है। इसलिए ईरान चीन से सामरिकी भागीदारी करने से पहले शर्तों की पड़ताल करेगा। ईरान सुन्नी अरब देश सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और चीन के बीच के अच्छे संबंधों को भी नजरअंदाज नहीं कर सकता है। चीन के तेल आयात का बड़ा हिस्सा सऊदी अरब से आता है। चीन उत्पादों के लिए भी अरब जगत के देश बड़ा बाजार हैं। दरअसल, ईरान ने चीन से साझेदारी बढ़ाने की बात कर संकेत दिए हैं कि अगर बहुत ज्यादा तंग किया गया तो उसके पास विकल्प खुले हैं। ईरान इस बात को भलीभांति समझता है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद ईरान-चीन का द्विपक्षीय व्यापार 2019 में घटकर 23 अरब डालर रह गया। 2016 में ईरान दौरे के दौरान जिनपिंग ने दावा किया था कि दोनों मुल्कों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दस साल में छह सौ अरब डालर तक लेकर जाएंगे। ईरान समझ रहा है कि उसके साथ साझेदारी बढ़ाने में चीन सिर्फ अपना हित देख रहा है, क्योंकि इस चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध चरम पर पहुंच चुका है। चीन अगर ईरान के साथ साझेदारी बढ़ाएगा, तो उसकी पहुंच फारस की खाड़ी तक आसानी से हो जाएगी। चाबहार, जस्क और बंदर अब्बास बंदरगाह में चीन अगर निवेश करता है तो भारत की मुश्किलें बढ़ेंगी। भारत की कूटनीति के लिए यह गंभीर चुनौती होगी।

ट्विटर

अगर चीन को काबू में करना है तो भारत को उस पर से ध्यान हटाकर पाकिस्तान और नेपाल पर लगाना होगा। एक बार ये दोनों पीछे हट गए, चीन मान जाएगा।

मारुफ रजा, रक्षा विशेषज्ञ

लद्दाख में चीन को कमतर करने के लिए भारत को आक्रामक रवैया छोड़ना नहीं चाहिए। इस रणनीति से चीन दुनियाभर में बेपर्दा होगा और दबाव में भी आ जाएगा।

कमर आगा, रक्षा विशेषज्ञ

सत्यार्थ

व्यवहार से मिलता है मान

उस दिन मूसलाधार बारिश के साथ ठंड अपने चरम पर थी। तभी एक अधेड़ दंपती ने फिलाडेल्फिया के एक छोटे से होटल के रिसेप्शन क्लर्क से एक रूम देने का अनुरोध किया। क्लर्क उस मामूली से होटल में एक संभ्रांत दंपती को देखकर आश्चर्यचकित हुआ। उसने कहा- अभी सारे रूम बुक हैं। दंपती यह सुनकर निराश होकर बोले- अब ऐसे मौसम में हम लोग कहां जाएं? क्लर्क ने कुछ देर सोचा फिर बोला- यदि आप अन्यथा न सोचें, तो मेरा एक अपना छोटा सा साधारण कमरा है। आप उसमें रात गुजार सकते हैं। मैं अकेला हूं, यहीं कहीं रात काट लूंगा। दंपती ने उसे धन्यवाद दिया व उस के कमरे में रात बिताई। सुबह जाते समय वे सोते हुए क्लर्क को जगाना उचित न समझकर चले गए।

इसके कई वर्षों बाद उस क्लर्क को एक पत्र मिला जिसके साथ न्यूयार्क की फ्लाइट का टिकट था। जब क्लर्क न्यूयार्क पहुंचा तो उसने पाया कि स्वागत में वर्षों पहले उसके कमरे में रात बिताने वाले वही महाशय खड़े थे। वह थे अमेरिका के प्रसिद्ध न्यायाधीश विलियम वेल्फोर्ड आस्टो। दूसरे दिन वे उसे लेकर वेल्फोर्ड आस्टोरिया होटल पहुंचे और क्लर्क से कहा कि आज से आप इस होटल के मैनेजर हो। क्लर्क बोला-मैं मामूली से होटल में काम करने वाला क्या इतने बड़े होटल का प्रबंधन संभाल पाऊंगा? तब आस्टो ने कहा- तुम साधारण नहीं हो। तुम्हारे अंदर मानवता का ऐसा गुण है, जो सिर्फ असाधारण लोगों में ही हो सकता है। तुम्हारी विनम्रता, इंसानियत, करुणा व स्वयं तकलीफ सहने का भाव तुम्हें इस पद के योग्य बनाता है। वास्तव में सच ही कहा जाता है कि जो प्रतिष्ठा पैसे से हासिल नहीं होती है, वह हमें अपने व्यवहार से हासिल हो जाती है।

न्यूज

राम मंदिर पर अक्षरा का गाना स्वागत है श्री राम का रिलीज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर का भूमिपूजन होना है। राम मंदिर निर्माण को लेकर देशभर में उल्लास का माहौल है। ऐसे में भोजपुरी अभिनेत्री एवं गायिका अक्षरा सिंह एक गाना लेकर आई हैं। गाने के बोल है स्वागत है श्री राम का। इसका फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर जारी किया गया है, जिसमें श्री राम के साथ-साथ राम मंदिर निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले नेता लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह और वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ खुद अक्षरा सिंह की भी तस्वीर है। अक्षरा का गाना स्वागत है श्री राम का गीत मनोज मतलबी ने लिखा है। संगीत अविनाश झा घुंघरू ने दिया है। इस गाने को लेकर अक्षरा बेहद उत्साहित हैं और कहती हैं कि यह भगवान राम की भूमि है और उनका मंदिर काफी भव्य होगा। यह हम तमाम देशवासियों के लिए गर्व की बात है। इस मंदिर का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व भी खूब है।

तय समय पर ही होंगे संसदीय चुनाव: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संसदीय चुनावों को स्थगित करने की संभावनाओं के बीच व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा है कि देश में संसदीय चुनाव तय तारीख यानी तीन नवंबर को ही आयोजित किया जाएंगे। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज ने सीबीएस फेस आफ नेशन को कहा कि हम तीन नवंबर को ही संसदीय चुनाव आयोजित करेंगे और राष्ट्रपति निश्चित तौर पर उसमे जीत रहे हैं। श्री मीडोज का यह बयान दरअसल राष्ट्रपति के चुनाव अभियान के सलाहकार जैसन मिलेर के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चुनाव तीन नवंबर को ही आयोजित किए जाएंगे और राष्ट्रपति ट्रंप भी यही चाहते हैं। श्री ट्रंप ने दरअसल गुरुवार को राष्ट्रपति चुनावों को टालने की संभावनाओं को जताते हुए कहा था कि यूनिवर्सल मेल इन वोटिंग 2020 के चुनाव को इतिहास का सबसे गलत और धोखाधड़ी वाला चुनाव बना देगी।

कोटा रेलवे वर्कशॉप में पीपीई कवर का निर्माण

कोटा, (एजेंसी)। वैश्विक महामारी कोरोना से निपटने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की मदद के लिए पश्चिमी - मध्य रेलवे के कोटा मंडल के डिब्बा मरम्मत कारखाना में पीपीई कवर ऑल का निर्माण किया जा रहा है। कोटा मंडल के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रेलवे ने देश के विभिन्न कारखानों में जून और जुलाई में करीब डेढ़ लाख पीपीई कवर ऑल के निर्माण का लक्ष्य तय किया था, जिसकी संख्या जरूरत के अनुसार और अधिक भी बढ़ाई जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि गत जुलाई में कोटा रेल मंडल की माल डिब्बा मरम्मत कारखाने के जरिए तीन हजार पीपीई किट तैयार कराए गए। अब 10 हजार पीपीई किट बनाने का लक्ष्य माल डिब्बा मरम्मत कारखाने को दिया गया है, जिससे पूरा करने कारखाने के कर्मचारी मेहनत के साथ जुटे हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि रेलवे की कार्यशाला में पीपीई कवर ऑल के अलावा सैनिटाइजर मास्क, मरीजों के लिए बिस्तर भी बनाए जा रहे है।

हरियाणा भाजपा का अभियान शुरू

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा प्रदेश भाजपा ने सोमवार से पर्यावरण संरक्षण को समर्पित वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत पार्टी नेता और कार्यकर्ता प्रदेशभर में पांच लाख पौधे लगाएंगे और प्रत्येक पौधे पर रक्षा सूत्र बांध इसकी सुरक्षा का भी प्रण लेंगे। अभियान 16 अगस्त तक चलेगा। इस अभियान की पूर्व विधायक पवन सैनी को संयोजक के तौर पर जिम्मेदारी सौपी गई है। अभियान के तहत मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने पंचकूला में वृक्षारोपण कर इस अभियान की शुरुआत की। श्री धनकड़ और प्रदेश के गृह मंत्री अनिल विज-अम्बाला छावनी, पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला-टोहाना, सांसद एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय भाटिया - समालखा, ''म्हारा हरयाणा-हरा भरा हरयाणा'' अभियान के प्रदेश संयोजक पूर्व विधायक पवन सैनी-लाडवा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री वेदपाल करनाल में वृक्षारोपण करेंगे।

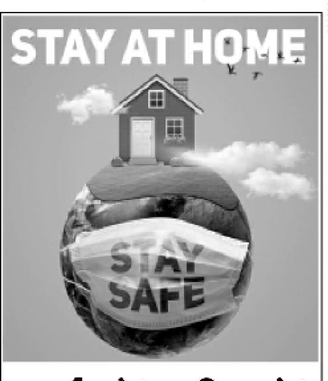

सतर्क रहे! सुरक्षित रहे! कोरोना वायरस से सावधान रहे क्योंकि सावधानी ही बचाव हैं। कोरोना को धोना हैं।

अफगानिस्तान जेल पर आईएसआईएस आतंकियों का हमला

18 घंटे चली मुठभेड़ 29 लोगों की मौत, तीन आतंकी भी ढेर

काबुल ■ एजेंसी

अफगानिस्तान के पूर्वी नांगरहार प्रांत में जलालाबाद की जेल पर रविवार रात आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट के आतंकियों के हमले में 29 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 50 लोग घायल हुए हैं, वहीं, अफगान सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है, हालांकि कई कैदी फरार हो गए। आतंकियों एवं सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ 18 घंटे चली।

जेल में सैकड़ों की संख्या में आईएस आतंकी बंद: रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जलालाबाद की जेल में इस्लामिक स्टेट के सैकड़ों आतंकी बंदी हैं। उन्हीं को छुड़ाने के लिए आतंकियों ने योजनाबद्ध तरीके से हमले को अंजाम दिया है। नांगरहार प्रांत के गर्वनर के प्रवक्ता अताउल्लाह खोज्ञानी ने बताया कि जेल परिसर में रूक-रूक के गोलीबारी हुई। मृतकों में जेल के कुछ कैदियों के अलावा आम नागरिक, जेल के गार्ड और अफगान सुरक्षा कर्मी शामिल हैं।

रविवार को आत्मघाती हमले के बाद शुरू हुई थी मुठभेड़: नांगरहार की राजधानी जलालाबाद में एक कारागार के प्रवेश द्वार पर आत्मघाती कार बम विस्फोट के साथ यह हमला शुरू हुआ था। इसके बाद कई हमलावरों ने अफगान के सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। हमलावरों की संख्या कितनी है, यह अभी तक साफ नहीं हो सका है। हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध एक संगठन ने ली है, जिसे खुरासान प्रांत में आईएस के नाम से जाना जाता है। इस आतंकवादी संगठन का मुख्यालय नांगरहार प्रांत में है।

हमले की आड़ में कई कैदी जेल से फरार

एक प्रांतीय अधिकारी ने बताया कि हमले के चलते कई कैदी जेल से भाग गए। जेल पर हमले का कोई कारण अभी साफ नहीं है। वैसे जेल में 1,500 कैदी हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आईएसआईएस से जुड़े हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यहां पर कोई विशिष्ट कैदी तो बंद नहीं है, जिसे छुड़ाने के लिए यह हमला किया गया हो। अफगान खुफिया एजेंसी ने एक दिन पहले ही बताया था कि अफगान विशेष बलों ने जलालाबाद के निकट आईएस के एक शीर्ष आतंकी कमांडर को मार गिराया है।

तालिबान ने किया हमले में हाथ होने से साफ इंकार

तालिबान के राजनीतिक प्रवक्ता सुहेल शाहीन ने बताया कि जलालाबाद जेल हमले में उनका समूह शामिल नहीं है। अमेरिका ने तालिबान के साथ फरवरी में शांति समझौता किया था। उन्होंने कहा कि हमारा संघर्ष विराम चल रहा है और देश में कहीं भी इस तरह के हमले में हम शामिल नहीं हैं। तालिबान ने ईद के मद्देनजर शुक्रवार से तीन दिन के संघर्ष विराम का ऐलान किया था।

पुजारियों ने बदला उपकर्मा धागा

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर हिंदू पुजारियों ने सोमवार को अहमदाबाद में सामूहिक रूप से उपकर्मा धागा बदलने की रस्म अदा की ।

करीब 10 हजार लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करने वाले मो. शरीफ भी आमंत्रित

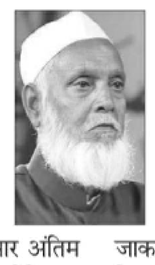

अयोध्या, (एजेंसी)। राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर शिलान्यास कार्यक्रम में करीब पौने दो सौ लोग शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि फैजाबाद के मोहम्मद शरीफ को निमंत्रण भेजा गया है।

मोहम्मद शरीफ का एक ही काम है, लावारिश लाशों का उसकी परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार करना। वे हिंदु मुस्लमान नहीं देखते।उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया कि वो अब तक करीब 10 हजार लोगों का अतिंम संस्कार कर चुके हैं। वर्तमान सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया है। हमने पद्मश्री होने के नाते, अयोध्या का निवासी होने के नाते उनको आमंत्रित किया है। मुझे बताया गया है कि लावरिश लाशों के अंतिम संस्कार करने वाले मोहम्मद शरीफ जिस दुकान के आगे जाकर खड़े हो जाते हैं, दुकानदार उन्हें खुद ही सामान दे देता है, सामान का पैसा नहीं मांगता।

फिर से मिलने पर राजी हुए ओली-प्रचंड

मतभेद सुलझाने पीएम एवं सत्तारूढ़ दल के कार्यकारी अध्यक्ष ने फिर शुरू की कवायद

काठमांडू ■ एजेंसी

सत्ता की लड़ाई के कारण परेशानियों से घिरे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और सत्तारूढ़ दल के कार्यकारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड आपसी मतभेदों को सुलझाने के लिए फिर से मिलने पर राजी हो गए हैं। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, रविवार को करीब तीन घंटे चली बैठक में दोनों के आपसी मतभेद सुलझ नहीं पाए। माई रिपब्लिका की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री के प्रेस सलाहकार सूर्या थापा ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच सकारात्मक बातचीत हुई। इसे लेकर चर्चा हुई कि पार्टी के सचिवालय, स्थाई समिति या केंद्रीय समिति की बैठक बुलाई जाए। बैठक में पार्टी की आमसभा बुलाने को लेकर भी चर्चा हुई।

स्थाई समिति की बैठक को लेकर अनिश्चितता बरकरार

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के दो शीर्ष नेताओं के बीच यह बैठक प्रधानमंत्री ओली द्वारा 28 जुलाई को होने वाली पार्टी की स्थाई समिति की बैठक स्थगित किए जाने के छह दिन बाद हुई है। अखबार के अनुसार, स्थाई समिति की बैठक को लेकर अनिश्चितता है, क्योंकि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच मतभेद अभी भी जारी है। रविवार को हुई बैठक में प्रधानमंत्री ओली के साथ उनके करीबी सुभाष नेमबांग भी आए थे। गौरतलब है कि नेमबांग ओली और प्रचंड के बीच मतभेदों को सुलझाने में मध्यस्थ का काम कर रहे हैं। वहीं प्रचंड के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता झाला नाथ खनल भी थे।

कोरोना पराठा के बाद अब लोग चाव से खा रहे हैं कोरोना करी और मास्क नान

जोधपुर, (एजेंसी)। कोरोना से देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के विभिन्न सेक्टर पर बुरा असर पड़ा है, लेकिन, इसके बावजूद अब कई रेस्टोरेंट में कोरोना वायरस थीम पर फूड आइटम्स बनने की खबरें आ रही हैं। कुछ दिन पहले ही मदुरई के एक रेस्टोरेंट में बना हुआ मास्क पराठा सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस लिस्ट में जोधपुर के एक रेस्टोरेंट का भी नाम आ गया है, जहां मास्क नान सर्व किया जा रहा है। इसके साथ कोरोना करी भी लोगों को सर्व की जा रही है।

रेस्टोरेंट में कोरोना वायरस की थीम पर बन रहे फूड आइटम्स

एक रिपोर्ट मे इस बारे में जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट में रेस्टोरेंट के मालिक के हवाले से लिखा गया है कि अपने यहां शुद्ध शाकाहारी खाने वाले लोगों की संख्या बढ़ाने रेस्टोरेंट ने यह एक्सपेरिमेंट किया है। साथ ही, कोविड-19 संक्रमण के बारे में लोगों के बीच जागरुकता फैलाने का भी काम हो रहा है। इस रेस्टोरेंट का नाम वेदिक है और इसके मालिक अनिल कुमार ने कहा कि हमने सोचा कि हमें कुछ रोचक चीज तैयार करनी चाहिए, जिसे लोग रुचि लेंगे और उत्सुक होंगे, साथ ही ग्राहकों को रेस्टोरेंट तक लाने का काम भी हो जाएगा। इस कोरोना डिश की फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी है। मलाई कोफ्ता के तर्ज पर तैयार कोरोना करी की कीमत 220 रुपए प्रति प्लेट है। बटर नान को मास्क के आकार में बनाकर सर्व किया जा रहा है। एक मास्क नान की कीमत 40 रुपए है।

मुजफ्फरपुर-दरभंगा में फिर टूटे बांध

बिहार में जलप्रलय, दर्जनों गांवों में तबाही

मुजफ्फरपुर ■ एजेंसी

मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा को छोड़ उत्तर बिहार के बाकी जिलों में बाढ़ स्थिर है। पश्चिम चंपारण एवं मधुबनी में बाढ़ का असर कम होने लगा है, जबकि मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा में तबाही जारी है। सोमवार सुबह मुजफ्फरपुर के मुरौल में तिरहुत नहर का बांध टूटने से बाढ़ का पानी नए इलाकों में फैल गया है। वहीं, दरभंगा के केवटी में महाराजी बांध तीसरी बार टूटने से बाढ़ विकराल हो चली है।

मुजफ्फरपुर के मुरौल में बूढ़ी गंडक की धारा तिरहुत नहर में मुड़ने से तबाही जारी है। रविवार को इस बांध का पूर्वी तट दो सौ फीट में टूटा और सैकड़ों घरों को चपेट में लिया था। वहीं, सोमवार सुबह इसके पश्चिमी तटबंध में सौ फीट में कटाव हो गया। इससे बाढ़ का पानी नए इलाकों में फैल गया।मुजफ्फरपुर के औराई, कटरा एवं गायघाट में बाढ़ स्थिर है, क्योंकि बागमती का जलस्तर पहले से कम हुआ है।

कमला नदी बह रही है खतरे के निशान से ऊपर

दरभंगा में बागमती खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हायाघाट में नदी रेल पुल पर पटरी से चार इंच ऊपर बह रही है। जिले में कमला नदी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं, केवटी प्रखंड के बिरने में सोमवार को तीसरी बार महाराजी बांध का तटबंध टूटा। इससे आधा दर्जन गांव में पानी फैल गया है। यहां बागमती तटबंध में रिसाव होने से शहर के कई हिस्सों में पानी बढ़ा है तो अधिकारी व ग्रामीण तटबंध की मरम्मत में जुट गए हैं। सिरसिया तटबंध में रिसाव से हायाघाट एवं बहेड़ी प्रखंड के भी बाढ़ की चपेट में आने की आशंका पैदा हो गई है।

छात्रा ने राफेल को राखी बांधकर बनाया भाई

बोली-देश के साथ बहनों की भी रक्षा करेगा लड़ाकू विमान

शाहजहांपुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में रक्षाबंधन के दिन बीटीसी की छात्रा ने बेहद अनोखे ढंग से राफेल विमान के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। छात्रा ने राफेल की तस्वीर पर राखी बांधकर उसको अपना भाई बनाया है। छात्रा का कहना है कि राफेल अब चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मनों को तो सबक सिखाएगा ही साथ ही देश की बहनों की रक्षा भी करेगा। दरअसल चौक कोतवाली क्षेत्र के हुंडाल खेल की रहने वाली बीटीसी छात्रा साहिल शुक्ला ने राफेल को अपना भाई बनाया है। साहिल ने राफेल की तस्वीरें पर तिलक किया और राखी बांधी। इसके बाद घातक लड़ाकू विमान को अपना भाई मानकर उसकी आरती उतारी। बीटीसी छात्रा का कहना है कि राफेल अब भारत की सबसे बड़ी ताकत है, जिससे चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मन खौफ खाएंगे। राफेल विमान चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मनों को सबक तो सिखाएगा ही साथ ही देश की बहनों की भी रक्षा करेगा।

चीन और ऑस्ट्रेलिया के बीच नोक-झोंक

दक्षिण चीन सागर के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच ट्विटर पर बढ़ी तनातनी

बीजिंग ■ एजेंसी

दक्षिण चीन सागर में चीन की हरकतों पर ट्विटर पर चीनी और ऑस्ट्रेलियाई राजनयिकों में बीच तीखी नोक-झोंक हुई। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका के बयान का समर्थन किया कि उक्त समुद्री क्षेत्र में चीन के किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने चीन के दावों को अवैध करार देते हुए हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में एक ज्ञापन दिया था जिस पर बीजिंग ने नाराजगी व्यक्त की थी।

ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फेरेल ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया कि उन्होंने भारत के विदेश मंत्री से कहा कि चीन की हरकतों से असंतुलन बढ़ेगा और यह उकसाने वाली कार्रवाई है। चीन के राजदूत सुन वेइदोंग ने शुक्रवार को इस पर प्रतिक्रिया करते हुए ओ फेरेल पर तथ्यों की नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और ट्वीट किया कि यह स्पष्ट है कि कौन क्षेत्र में शांति और स्थायित्व की रक्षा करता है और कौन अस्थिरता लाता है और तनाव भड़काता है।

ओ फेरेल की टिप्पणियों को मिला भारतीयों का समर्थन

ओ फेरेल ने जवाब देते हुए कहा कि चीन को 2016 में अंतर्राष्ट्रीय अधिकरण के आदेश को मानना चाहिए, जिसमें बीजिंग के दावों को खारिज कर दिया गया था। चीन ने उस आदेश को अवैध और अबाध्यकारी करार दिया था। ओ फेरेल की टिप्पणियों को ट्विटर पर भारतीय यूजरों से खूब समर्थन प्राप्त हुआ।

वर्ष 2016 चीन को अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने लगाई थी फटकार

वर्ष 2016 में हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने बीजिंग द्वारा इलाके में कृत्रिम द्वीप बनाने को लेकर फटकार लगाई थी। इस बारे में झाओ ने कहा कि न्यायाधिकरण ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया, सहमति के सिद्धांत का उल्लंघन किया। न्यायाधिकरण ने कहा था कि दक्षिण चीन सागर के संसाधनों पर दावा करने कोई कानूनी आधार नहीं है और यह क्षेत्र में फिलीपींस की संप्रभुता का उल्लंघन करता है।

स्पेसएक्स ड्रैगन ने मेक्सिको की खाड़ी में उतर रचा इतिहास

वाशिंगटन, (एजेंसी)। नासा और स्पेसएक्स का ड्रैगन क्रू एंडेवर ने रविवार दोपहर मेक्सिको की खाड़ी में उतरकर इतिहास रच दिया। स्पेसएक्स ने ट्विटर हैंडल पर इससे जुड़ा वीडियो जारी किया है, जिसमें नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को स्प्लैशडाउन (पैराशूट के जरिए पानी में उतरना) होते देखा जा सकता है। स्पेसक्राफ्ट दो बजकर 48 मिनट पर पेन्सकोला के तट से उतरा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ड्रैगन क्रू एंडेवर की सुरक्षित वापसी की तारीफ की। ट्रंप ने कहा सभी को धन्यवाद। दो माह के मिशन के बाद नासा के अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर लौट आए हैं। नासा के प्रशासक जिम ब्रिडेनस्टाइन ने ट्वीट किया कि इस दौरान मौसम 'शानदार'रहा।

रक्षाबंधन के मौके पर राहुल ने बहन प्रियंका के साथ साझा की तस्वीर

नई दिल्ली, (एजेंसी)

पूरे देश में सोमवार को भाई और बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षा बंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ अपने इस रिश्ते का इजहार करने वाली एक तस्वीर ट्विटर पर साझा की है।

इस तस्वीर में राहुल और प्रियंका गले मिलकर एक-दूसरे के प्रति प्यार और सम्मान का इजहार कर रहे हैं। इस तस्वीर के साथ राहुल ने देशवासियों को रक्षा बंधन की बधाई दी है। यह तस्वीर 19 जून, 2019 की है जब प्रियंका ने भाई राहुल गांधी के गले लगकर उन्हें उनके 49वें जन्मदिन की बधाई दी थी। वर्तमान में प्रियंका गांधी कांग्रेस महासचिव हैं। वे विभिन्न मुद्दों पर राहुल गांधी का बचाव करती रहती हैं। फिर चाहे राहुल के नेतृत्व में 2019 के लोकसभा में पार्टी को मिली करार हार हो या फिर पार्टी के अंदर फूट का। प्रियंका हमेशा राहुल के पक्ष में बोलती रहती हैं। जब राहुल ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था, तब भी उन्होंने अपने भाई का बचाव किया था।

सभी को दी त्यौहार की बधाई

कांग्रेस महासचिव ने राहुल के फैसले को साहसिक बताते हुए कहा था कि राहुल गांधी जैसा करने का साहस बहुत कम लोगों के पास होता है। मैं आपके फैसले का आदर करती हूं। बता दें कि पिछले साल लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बुरी तरह से मिली हार की जिम्मेदारी लेते हुए राहुल गांधी ने चार पेज का इस्तीफा ट्वीट करते हुए अध्यक्ष पद छोड़ने की घोषणा की थी। ऐसे समय पर बहन प्रियंका अपने भाई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी थीं।

भूमिपूजन

विश्व प्रसिद्ध है राजस्थान की मरुधरा का पत्थर

अब नामी पत्थर बनेगा राम मंदिर की शान

जयपुर ■ एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर में राजस्थान के बंसी पहाड़पुर का पत्थर शोभा बनेगा। बंशी पहाड़पुर इलाके का पत्थर अपनी मजबूती और सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इसकी खासियत को ध्यान में रखते हुए देश के बड़े मंदिर और भवनों में इन पत्थरों को लगाया गया है। राम मंदिर को भव्य बनाने के लिए इन पत्थरों को खासतौर पर मंगाया गया है।

देश के कई अक्षरधाम मंदिरों, संसद, लालकिला और इस्कान के ज्यादातर मंदिरों में इस पत्थर को लगाया गया है। आगरा का लाल किला, भरतपुर के गंगा मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, जयपुर की विधानसभा भवन सहित विदेशों में कई विशाल मंदिरों का निर्माण में इसी पत्थर को लगाया गया है। राममंदिर में पहले से ही राजस्थान का नाम जुड़ा है। अब शौर्य के साथ-साथ इस पत्थर का नाम भी जुड़ जाएगा।

प्रदेश के कई धार्मिक स्थलों की मिट्टी पहले ही अयोध्या पहुंच ही चुकी है और अब ये पत्थर भी। इन पत्थरों पर नक्काशी का काम चल रहा है। कारीगर रामधुन के साथ नक्काशी कर रहे हैं। पिलर, गुम्बद, जालियां, कनपट, भेडासरा, ठेबी और पाट बनाए जा रहे हैं। कहीं कोई कमी ना रहें इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

अयोध्या में काम में आएगा चार लाख घन फीट पत्थर

अयोध्या में राममंदिर निर्माण के लिए करीब चार लाख घन फीट पत्थर काम में आएगा। इसमें से करीब 2.75 लाख घन फीट पत्थर भरतपुर के बंसी पहाड़पुर के सैंड स्टोन का होगा। बंसी पहाड़पुर से यह पत्थर बेडौल रूप में आता है और फिर कटिंग के बाद सीएनजी मशीन पर प्रोग्राम लॉडिंग कर आर्किटेक्ट द्वारा डिजाइन ड्रॉइंग किया जाता है। एक बार फिर से बंशी पहाड़पुर गौरवान्वित है, क्योंकि राममंदिर निर्माण के लिए उसका पत्थर काम में लिया जा रहा है।

आम आदमी पार्टी जालंधर के कार्यकर्ताओं द्वारा पंजाब सरकार के खिलाफ जहरीली शराब पीने से हुई मौतों को लेकर प्रदर्शन

दर्शन लाल भगत ने वेस्ट हलके के विधायक के खिलाफ काफी गंभीर आरोप लगाए

■ जालंधर ब्रीज ब्यूरो

आम आदमी पार्टी जालंधर वेस्ट की तरफ से बाबू जगजीवन राम चौंक (बईया मंडी)पर रोष प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन जहरीली और नकली शराब का कारोबार करने वालो के खिलाफ किया गया और जिन लोगों की मौतें हुई उनके प्रति संवेदना व्यक्त भी की गयी।

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बताया की उन्होंने सरकार द्वारा बनाये नियमों की पालना करते हुए बाबू जगजीवन राम चौंक (बईया मंडी) ही नहीं शहर के अलग-अलग जगहों पर प्रदर्शन किए और साथ ही आम आदमी पार्टी वेस्ट से दर्शन लाल भगत ने वेस्ट हलके के विधायक के खिलाफ काफी गंभीर आरोप लगाए और कहा वेस्ट हलके में दड़े-सट्टे, लॉटरी और नकली शराब का कारोबार सब विधायक की शह पर चल रहा है और इन पर रोक लगाने के लिए सरकार से मांग की और सरकार के खिलाफ प्रर्दशन भी किया।

इस मौके पर दर्शन लाल भगत,राकेश कुमार,बलवंत सिंह, ब्यास देव,राणा बलबीर, ओगला,अजय आदि मौजूद थे।

जालंधर पुलिस ने एक देसी पिस्तौल और दो कारतूस समेत दो व्यक्तियो को किया काबू

■ जालंधर ब्रीज ब्यूरो

जालंधर पुलिस को सफलता तब हासिल हुई जब तिथि 31-07-2020 को जब ए.एस.आई. बलजीत सिंह दोआबा चौक पर अपनी पुलिस पार्टी

समेत नाके पर चैकिंग कर रहे थे तभी उनको एक गुप्त सूचना मिली की पठानकोट बाई पास चौक जालंधर से मुनित सिंह (कूकू)पुत्र परितम सिंह वासी पिंड सूरखा जिला कपूरथला और दविंदर सिंह (देव) पूत्र सरूप सिंह वासी न्यू दशमेश नगर नजदीकी ढिलवा चौंक थाना रामामंडी को काबू किया और उनसे एक देसी पिस्तौल 315 बोर (देसी कटा)और दो जिंदा रोंद (315 बोर) बरामद हुई है।

उसी वक्त दोषियों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ मुकदमा नंबर 214 तिथि 31-07-2020 को आर्म्स एक्ट की धारा 25/54/59 पुलिस डिवीज़न नंबर 8 जालंधर में दर्ज किया गया ।

मैं बंगाल को कोचिंग दूं या नहीं लेकिन मैं अपनी जिंदगी जिऊंगा- अरूण लाल

स्पोर्ट्स प्लैनट

भारतीय क्रिकेट बोर्ड की एसओपी जारी होने पर बोले अरुण लाल, इसके कारण खुद को कमरे में बंद नहीं करूंगा

■ कोलकाता/ब्यूरो

कैंसर से उबर चुके बंगाल के कोच अरूण लाल का कहना है कि घरेलू टीमों के लिये भारतीय क्रिकेट बोर्ड की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू होने का यह मतलब नहीं कि वह खुद को कमरे में बंद कर लेंगे। बोर्ड ने राज्य संघों के लिये एसओपी जारी किया है जिसके अनुसार 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग जिन्हें कोई बीमारी रही हो या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो, उन्हें सरकार के आगामी निर्देश मिलने तक अभ्यास शिविरों में नहीं आना चाहिये। अरूण लाल

ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि वह कैसे इस उम्र में देश चला रहे हैं। उन्होंने कहा ,''प्रधानमंत्री 69 साल के हैं और ऐसे समय में देश चला रहे हैं। क्या उनको कोई इस्तीफा देने को कहता है।'' उन्होंने कहा ,'' मैं बंगाल को कोचिंग दूं या नहीं लेकिन मैं अपनी जिंदगी जिऊंगा। मुझसे यह अपेक्षा मत रखिये कि 65 साल का होने के कारण मैं अगले 30 साल तक खुद को एक कमरे में बंद कर लूंगा। ऐसा नहीं होगा।'' बंगाल के इस महान क्रिकेटर ने कहा कि वह सामाजिक दूरी के प्रोटोकॉल का पालन करेंगे लेकिन पृथकवास में नहीं रहेंगे।

शिरोमणि अकाली दल एस.सी. विंग जालंधर द्वारा कांग्रेस सरकार के खिलाफ किया गया धरना प्रदर्शन

■ जालंधर ब्रीज ब्यूरो

आज गुरु रवि दास चौंक में शिरोमणि अकाली दल एस सी विंग जालंधर द्वारा कांग्रेस के खिलाफ किया गया धरना प्रदर्शन। यह प्रदर्शन जालंधर के शहरी प्रधान भजन लाल चोपड़ा और पूर्व डिप्टी मेयर प्रवेश तांगड़ी की अगुवाई में हुआ। उन्होंने कहा की कांग्रेस सरकार ने दलित समाज के बच्चों को स्कॉलरशिप भी नहीं दी,जिन लोगों के नीले कार्ड बने थे उनके काट दिए गए हैं और बच्चों की स्कूल फीस भी माफ नहीं की गई। इस धरने में शामिल हुए जिला प्रधान कुलवंत सिंह मन्नन और पूर्व चेयरमैन बलजीत सिंह नीला

महल ने मौके पर पहुंच कर कहा की सरकार द्वारा दलित समाज के खिलाफ धक्केशाही की जा रही है और सरकार ने जो सहूलतें दलित समाज को देनी थी वो सब कागजो में ही है असलियत में किसी को कुछ नहीं मिल रहा।

इस मौके पर अशोक चांदला,बनवारी लाल, अरुण कुमार, हरप्रीत चोपड़ा, मनप्रीत चोपड़ा, कुलवंत कुमार, हैप्पी आबादपुरा आदि अन्य साथी मौजूद थे।

कैप्टन सरकार मुलाजिम विरोधी नीतियों से दुखी होकर डीसी ऑफिस बाहर मुलाजिमों ने किया प्रदर्शन

■ जालंधर ब्रीज ब्यूरो

यू.टी. मुलाजिम और पेंशनर साँझा फ्रंट पंजाब मुलाजमों और पेंशनरों ने काले मास्क लगा कर कैप्टन सरकार के किये हुए झूठे वादों का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया। कैप्टन सरकार द्वारा जो वादे आम जनता ओर सरकारी मुलाजमों और पेंशनरों को किए गए थे उन्होंने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया पंजाब सरकार द्वारा जल विभाग महकमे में 8657 पोस्टों को खत्म कर दिया है उनको बहाल कर दिया जाए। विकास टैक्स के नाम पर 2400 रुपये सालाना सरकार द्वारा जबरन काटा जा रहा है उसे भी बंद किया जाए। और रोष प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की

पंजाब में नए रखे जाने वाले मुलाजमों के वेतन को लेकर पंजाब सरकार जो केंद्र द्वारा दिए गए। पे-स्केल लागू करने जा रही है उसे भी तुरंत रद्द किया जाए। इसके साथ उन्होंने ने कहा मिड-डे-मिल के वर्करो का वेतन मई, जून और जुलाई वेतन तुरंत दिया जाए।

इस मौके कुलदीप सिंह कौड़ा, गोबिंद जगीर सिंह, अमनदीप सिंह, तरसेम माधोपुर, मुलखराज, संतोख सिंह, करमजीत सिंह, मनोहर लाल, अमरजीत सिंह आदि हाजिर हुए।

महामारी के बीच शुरू होगा टेनिस टूर, खिलाड़ी एक-दूसरे से नहीं मिलाएंगे हाथ

■ पालेरमो/ब्यूरो

कोरोना वायरस महामारी के कारण पांच महीने के ब्रेक के बाद टूर स्तर का टेनिस सोमवार को शुरू हो गयालेकिन पालेरमो लेडीज ओपन में खिलाड़ी अपने टॉवेल अलग रखेंगे और दूसरे खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलायेंगे। इसके अलावा मैदान पर शावर नहीं ले पायेंगे और ना ही खिलाड़ियों को आटोग्राफ देंगे। एकल मुख्य ड्रा में 15 देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। करीब 1500 की क्षमता वाले स्टेडियम में सीमित संख्या में प्रशंसकों को आने की अनुमति दी

गई है। उन्हें सामाजिक दूरी के नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। पहले दिन छठी वरीयता प्राप्त क्रोएशिया की डोन्ना वेकिच ने नीदरलैंड की अरांतजा रूस को 6 . 1, 6 . 2 से हराया।

सिंगला के निर्देशों पर मिड डे मील के अधीन मेहनताने के लिए 2.5 करोड़ रुपए जारी

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला के निर्देशों पर मिड डे मील के मेहनताने के लिए 2.5 करोड़ रुपए के करीब की राशि जारी कर दी गई है, जिससे मिड डे मील के अधीन रसोइयों / सहायकों को समय पर मेहनताना दिया जा सके। इसकी जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि शिक्षा मंत्री के निर्देश पर पंजाब मिड डे मील सोसाइटी द्वारा 2,49,78,780 रुपए के फंड जारी किए गए हैं। राज्य के समूह ज़िला शिक्षा अधिकारियों को भेजे गए एक पत्र में इस मेहनताने का तुरंत वितरण करने और इसको कम्पोनेंट के अनुसार खाता बही में दर्ज करने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रवक्ता के अनुसार दूसरे ज़िलों के अलावा लुधियाना जिले के लिए 22,03,200 रुपए, जालंधर के लिए 17,89,200 रुपए, पटियाला जिले के लिए 17,35,080 रुपए, अमृतसर के लिए 16,69,800 रुपए और संगरूर के लिए 14,37,480 रुपए जारी किए गए हैं।

जस्टिन थॉमस खिताब जीतकर दुनिया के नंबर एक गोल्फर बने

■ मेम्फिस/ब्यूरो

स्टार गोल्फर जस्टिन थॉमस रविवार को फेडएक्स सेंट ज्यूड आमंत्रण गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीतकर जून 2018 के बाद पहली बार दुनिया के नंबर एक गोल्फर बन गए। थॉमस ने गत चैंपियन ब्रूक्स कोपका को पछाड़कर विश्व गोल्फ चैंपियनशिप में जीत दर्ज की। थॉमस ने अंतिम

दौर में पांच अंडर 66 के स्कोर से कुल 13 अंडर 267 के स्कोर से खिताब जीता।

उन्हें करियर का 13वां पीजीए टूर खिताब जीतने के लिए एक करोड़ पांच लाख डॉलर की इनामी राशि मिली। थॉमस इससे पहले 2018 में चार हफ्ते के लिए दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने थे।

जालंधर में नहीं थम रही अवैध शराब की तस्करी

सी.आई.ए. स्टाफ ने लाखों की अवैध शराब पकड़कर तस्करी के धंधे का किया पर्दाफाश

5 पेटिया अवैध शराब समेत एक को काबू किया

■ जालंधर ब्रीज ब्यूरो

सी.आई. ए. स्टाफ जालंधर -1 की तरफ से पेट्रोलिंग दौरान एक गुप्त सुचना के आधार पर अंग्रेज सिंह (काका) पुत्र सजन सिंह वासी मकान नं. 940 अर्जुन नगर जालंधर और कपिल कुमार वासी नजदीक स्पोर्ट्स कॉलेज जालंधर जो की अपनी स्कूटरी पर जाली नंबर प्लेटे लगा कर अवैध शराब बेचने का कारोबार करते है जो आज एक स्कूटरी पर प्लास्टिक के बोरे में शराब बेचने जा रहे थे उन को काबू किया और दूसरा दोषी मौके पर फरार हो गया। स्कूटरी की तलाशी दौरान 2 नकली नंबर प्लेटे भी मिली जिसे वह लगा कर अवैध शराब बेचने का काम करते थे उनके खिलाफ मुकदमा नंबर 101 तिथि 02-08-2020 एक्साइज एक्ट 61-1-14 और 482 आई.पी.सी. लगाकर पुलिस डिवीज़न नंबर 2 में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ दौरान दोषी ने बताया की वह यह काम अपने साथी कपिल

समेत करता है और यह शराब वह सस्ते दामों में खरीद कर अपने ग्राहकों को ज्यादा दामों में बेचते है।

7 पेटियां अवैध शराब समेत एक को काबू किया

सी.आई.ए. स्टाफ जालंधर -1 की तरफ से पेट्रोलिंग दौरान एक गुप्त सुचना के आधार पर सोनू उर्फ जागर पुत्र दौलत राम वासी मकान नंबर 1011 मुहल्ला राम नगर जालंधर जोकि अवैध रूप से शराब बेचने का काम कर रहा है वह आज अपने नजदीकी प्लाट में लोगों को शराब बेच रहा था। तभी सी.आई.ए. स्टाफ जालंधर 1 ने वहां छापे मारी कर उसको 7 पेटियां अवैध शराब समेत काबू

किया उस पर मुकद्मा नंबर 117 तिथि 25-07-2020 एक्साइज एक्ट 61/1/14 के आधीन पुलिस डिवीज़न नंबर 1 में दर्ज किया है। दोषी की उम्र 40 साल है पहले वह मेलों में चपलों की रेहड़ियां लगाने का काम करता था फिर वह अवैध शराब बेचने का काम करने लग पड़ा।

11 पेटियां अवैध शराब समेत एक को काबू किया

जालंधर पुलिस ने सोढल चौक में नाकाबंदी दौरान एक गुप्त सूचना के आधार पर जोली पुत्र बलराज विग वासी माकन नंबर एन. एल .289 वीर बान बाजार चड़त सिंह पुरानी सब्जी मंडी जालंधर जो अपनी वरना कार जिसके नंबर गोल्डन कलर में लिखे हुए थे। पी.बी 0×7 1234 जिसमे भारी मात्रा में अवैध शराब की पेटियां भोगपुर से ले कर आ रहा है जिसको रेरू गेट के पास वरना गाड़ी समेत काबू किया गया। उसकी गाड़ी में 11 पेटियां अवैध शराब बरामद कर उसके खिलाफ मुकद्दमा नंबर 210 तिथि 27-07-2020 एक्साइज एक्ट 61-1-14 और 482 आई पी सी लगाकर पुलिस डिवीज़न नंबर 8 में

दर्ज किया गया है।

पूछताछ दौरान आरोपी ने बताया की उसकी ऑटो पार्ट्स की फैक्ट्री गदेईपुर में है और वह दूसरे शहर से सस्ती शराब लाकर यहां पर महंगे दामों में बेचता था।

ह्यूमन राइट प्रोटेक्शन की तरफ से की जा रही है नई नियुक्तियां

■ जालंधर ब्रीज ब्यूरो

ह्यूमन राइट प्रोटेक्शन वेलफेयर सोसाइटी के नेशनल प्रधान लक्की वासूदेव ने कहा की करोना जैसी महामारी के चलते मैम्बरों को इकट्ठा कर

उनको नियुक्ति पत्र देना मुश्किल है इसलिए सभी मैम्बरों को नियुक्ति पत्र डाक रही भेजे जाएंगे।

लक्की वासुदेव के टीम मेंबर सोनू और रमन सोनी ने नैनीताल के अजित अग्रवाल को वार्ड प्रधान नियुक्त किया और कहा उनको डाक रही नियुक्ति पत्र भेजा जाएगा साथ ही मैम्बरों को कहा घर घर जाकर करोना जैसी महामारी से लोगों को बचने के लिए जागरूक किया जाए।

डिवीज़न नंबर 4 की पुलिस ने दो मोटरसाईकल ओर एक एक्टिवा समेत चोर को किया काबू

जालंधर ब्रीज ब्यूरो

पुलिस डिवीज़न नंबर 4 के स्टेशन हाउस अफसर रशपाल सिंह की अगुवाई में चोरी की वारदात को एक दिन में सुलझाया गया । वहीं सिविल अस्पताल में तिथि 29-07-2020 को पार्किंग में खड़े मोटरसाईकल चोरी होने का मामला सामने आया था। मोटरसाईकल के मालिक लखबीर लाल पुत्र रतन कुमार वासी पिंड कादिया ने पुलिस को बताया की वह अपनी पत्नी के साथ हस्पताल में दवाईयां लेने आया और मोटरसाईकल को पार्किंग में लगा कर

अंदर गया वह जब बाहर आया तो उसका मोटरसाईकल नंबर पी बी 08 बी डी 1478 वहां पार्किंग में मौजूद नहीं था। ए.एस.आई बलबीर चन्द ने उसके बयानों के आधार पर चोरी का मुकद्मा दर्ज किया और तफ्तीश दौरान लखबीर कुमार पुत्र दर्शन वासी पिंड बबलके पुलिस डिविज़न नकोदर में जालंधर से चोरी हुआ मोटरसाईकल बरामद किया और साथ ही पूछताछ करने पर उसके पास से एक सप्लेंडर मोटरसाईकल ओर एक एक्टिवा बरामद की गई ।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.